भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
11.12.2024 के
तारांकित प्रश्न सं. 223 का उत्तर

महाराष्ट्र और बिहार के सभी जिलों तक रेलवे कनेक्टिविटी

***223. श्री राजेश वर्मा:**
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने महाराष्ट्र और बिहार के सभी जिलों में रेलवे कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए कोई योजना बनाई है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी वर्तमान स्थिति क्या है और सभी जिलों तक रेलवे कनेक्टिविटी हासिल करने की दिशा में क्या प्रगति हुई है;

(ग) उक्त राज्यों के नए जिलों में रेलवे कनेक्टिविटी का विस्तार करने के लिए प्रयुक्त मानदंड और प्राथमिकता प्रक्रिया क्या है;

(घ) इन राज्यों में रेलवे कवरेज बढ़ाने में आने वाली चुनौतियों, यदि कोई हों, का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) इन राज्यों के लिए प्रस्तावित कोई नई रेलवे परियोजना या विस्तार और अपेक्षित सामाजिक-आर्थिक लाभ सहित इनमें रेलवे कनेक्टिविटी और कवरेज बढ़ाने के लिए सरकार की क्या योजनाएं और पहल हैं?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्‌योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

****

दिनांक 11.12.2024 को लोक सभा के तारांकित प्रश्न सं. 223 के भाग (क) से (ङ) के उत्तर से संबंधित विवरण।

(क) से (ङ): रेल परियोजनाओं का सर्वेक्षण/स्वीकृति/निष्पादन राज्य-वार/जिला-वार नहीं, बल्कि क्षेत्रीय रेल-वार किया जाता है क्योंकि रेल परियोजनाएं राज्य की सीमाओं के आर-पार फैली हो सकती हैं। रेल परियोजनाएं लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम स्थान पहुंच संपर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों के विस्तार, राज्य सरकारों, केंद्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जन प्रतिनिधियों द्वारा उठाई गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्व आदि के आधार पर स्वीकृत की जाती हैं, जो चालू परियोजनाओं के थ्रोफॉरवर्ड तथा धन की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र और बिहार सहित भारतीय रेल में 488 रेल अवसंरचना परियोजनाएं (187 नई लाइनें, 40 आमान परिवर्तन और 261 दोहरीकरण), जिनकी कुल लंबाई 44,488 किलोमीटर तथा लागत लगभग 7.44 लाख करोड़ रु. है, जो योजना/अनुमोदन/निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 12,045 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक लगभग 2.92 लाख करोड़ रु. का व्यय किया जा चुका है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की सं.	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरीकरण (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	187	20,199	2,855	1,60,022
आमान परिवर्तन	40	4,719	2,972	18,706
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	261	19,570	6,218	1,13,742
कुल	488	44,488	12,045	2,92,470

महाराष्ट्र

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया गया है।

पिछले तीन वर्षों व चालू वर्ष के दौरान, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाले 7,458 किलोमीटर कुल लंबाई के 91 सर्वेक्षणों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण/मल्टी ट्रैकिंग) को मंजूरी प्रदान कर दी गई है।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली 41 रेल परियोजनाएं (16 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 23 दोहरीकरण) हैं, जिनकी लागत 81,580 करोड़ रु. तथा कुल लंबाई 5,877 किलोमीटर है, योजना तथा कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,926 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 31,236 करोड़ रु. का व्यय किया गया है।

कार्य की स्थिति का सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की सं.	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	16	2017	166	8,529
आमान परिवर्तन	2	609	312	3,332
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	23	3,251	1,448	19,376
कुल	41	5,877	1,926	31,236

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना परियोजनाओं और अन्य कार्यों के लिए औसत बजट आबंटन निम्नानुसार है :-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	15,940 करोड़ रु. (13 गुना से अधिक)

2009-14 और 2014-2024 के दौरान, महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाले खंडों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) की कमीशनिंग का विवरण निम्नानुसार हैः-

अवधि	नए रेलपथ की कमीशनिंग	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 किलोमीटर	58.4 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-24	1830 किलोमीटर	183 किलोमीटर प्रतिवर्ष (3 गुना से अधिक)

इसके अलावा, महाराष्ट्र में फ्लैगशिप हाई स्पीड बुलेट ट्रेन परियोजना का निर्माण कार्य तेजी से हो रहा है। अब, भूमि अधिग्रहण का कार्य 100 प्रतिशत पूरा कर लिया गया है। पुलों, एक्वेडक्ट आदि के कार्य शुरू कर दिए गए हैं। समुद्र के नीचे लगभग 21 कि.मी. सुरंग का कार्य करने के लिए 3 टीबीएम के लिए ऑर्डर दे दिए गए हैं। इस दौरान, शाफ्ट आदि के निर्माण जैसे टीबीएम के कार्य के लिए सभी प्रारंभिक कार्य भी शुरू कर दिए गए हैं।

पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारा महाराष्ट्र से भी होकर गुजरता है। पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे का लगभग 178 मार्ग किलोमीटर महाराष्ट्र में अवस्थित है जो पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे की समग्र मार्ग की लंबाई का लगभग 12 प्रतिशत है। महाराष्ट्र में न्यू घोलवड से न्यू वैतरणा तक इस परियोजना का 76 कि.मी. पहले ही कमीशन

कर दिया गया है। शेष कार्य शुरू कर दिए गए हैं। पश्चिमी समर्पित माल यातायात गलियारे से जेएनपीटी तक संपर्कता होने से पत्तन से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली तक कार्गो और कंटेनर यातायात सम्हालने की क्षमता बढ़ जाएगी।

<u>बिहार</u>

बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली रेल अवसंरचना परियोजनाएं भारतीय रेल के पूर्व मध्य रेलवे, पूर्व रेलवे, पूर्वोत्तर रेलवे और पूर्वोत्तर सीमा रेलवे जोनों के अंतर्गत आती हैं। रेल परियोजनाओं का लागत, व्यय और परिव्यय सहित क्षेत्रीय रेल-वार ब्यौरा सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

पिछले 3 वर्षों और चालू वर्ष के दौरान बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले 3,889 किलोमीटर कुल लंबाई के 72 सर्वेक्षण कार्य (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग) स्वीकृत किए गए हैं।

01.04.2024 की स्थिति के अनुसार, बिहार राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाली 55 रेल परियोजनाएं (31 नई लाइन, 02 आमान परिवर्तन और 22 दोहरीकरण) जिनकी कुल लंबाई 5,064 किलोमीटर तथा लागत 79,356 करोड़ रु. है, योजना व कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं, जिनमें से 1,194 किलोमीटर लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2024 तक 26,983 करोड़ रु. का व्यय किया गया है। इसका सार निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की सं.	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च 2024 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	31	2712	464	13,629
आमान परिवर्तन	2	348	288	1,520
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	22	2005	442	11,834
कुल	55	5064	1194	26,983

2014 से, परियोजनाओं के बजट आबंटन और उनकी तदनुरूपी कमीशनिंग में पर्याप्त वृद्धि हुई है। बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाले अवसंरचना और अन्य कार्यों हेतु वार्षिक बजट आबंटन निम्नानुसार हैः-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,132 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2024-25	10,033 करोड़ रु. (लगभग 9 गुना)

2009-14 और 2014-2024 के दौरान, बिहार राज्य में पूर्णतः/अंशतः आने वाले खंडों (नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण) की कमीशनिंग का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	नए रेलपथ की कमीशनिंग	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	318 किलोमीटर	63.6 किलोमीटर प्रतिवर्ष
2014-24	1669 किलोमीटर	166.9 किलोमीटर प्रतिवर्ष (लगभग 3 गुना)

रेल परियोजना का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा त्वरित भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के पदाधिकारियों द्वारा वानिकी स्वीकृतियां, लागत भागीदारी परियोजनाओं में राज्य सरकार द्वारा अपना अंशदान जमा करना, परियोजनाओं की प्राथमिकता, अतिलंघनकारी जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूविज्ञानी और स्थलाकृतिक परिस्थितियां, परियोजना स्थल के क्षेत्र में कानून एवं व्यवस्था की स्थिति, जलवायु परिस्थितियों के कारण परियोजना स्थल विशेष के लिए वर्ष में कार्य करने के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है।

*****